अनुसूचित जाति उप-योजना के अंतर्गत शूकर पालकों को शूकर आहार का वितरण

दिनांक 23.05.2023 को भारतीय पशु-चिकित्सा अनुसंधान संस्थान में चल रही अनुसूचित जाति उप-योजना के अंतर्गत संयुक्त निदेशालय, प्रसार शिक्षा द्वारा शूकर पालकों के ज्ञानोपार्जन एवं उत्साहवर्धन हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक महोदय डॉ. त्रिवेणी दत्त द्वारा की गई जिसमें अध्यक्ष महोदय ने बताया कि भारत सरकार द्वारा अनुसूचित जाति उप-योजना के अंतर्गत कृषकों एवं ग्रामीण युवाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेकों कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है जिसमें शूकर पालन उद्यमिता भी शामिल है । इस अवसर पर निदेशक महोदय ने शूकर पालन में वैज्ञानिक पद्धतियों को शामिल कर उसके विभिन्न फायदों पर सविस्तार प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में डॉ रूपसी तिवारी, संयुक्त निदेशक, प्रसार शिक्षा ने कृषकों एवं युवा ग्रामीणों हेतु संस्थान के प्रसार सम्बन्धी विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में अवगत कराया तथा इन कार्यक्रमों में कृषकों को सहभागिता बढ़ाने पर एवं संस्थान द्वारा प्रदत्त सेवाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने हेतु कृषकों को अनुरोध किया । कार्यशाला के दौरान कृषकों से शूकर पालन में आने वाली समस्याओं की जानकारी एवं उनके निदान के बारे में वैज्ञानिकों के साथ सविस्तार चर्चा की गई । इस कार्यशाला के दौरान बरेली जनपद के 29 शूकर पालकों को उनके द्वारा पाले जा रहे शूकर के बच्चों की शारीरिक वृद्धि एवं उत्पादन के लिए 44 (चवालीस) कुंतल शूकर आहार वितरण किया गया, साथ ही शूकर पालकों को शूकर आहार प्रबंधन पर

विशेष जानकारी भी प्रदान की गई । इस कार्यक्रम के आयोजन में डॉ॰ बी. पी. सिंह, डॉ. आर.एस. सुमन, डॉ. श्रुति का सराहनीय योगदान रहा।